



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 25, 1983/श्रावण 3, 1905

No. 121]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 25, 1983/SRAVANA 3, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार निबंधन

सांख्यिक सूचना सं० 32-ई टी सी० (पी०एन०)-83

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1983

विषय:—1983-84 के लिए रेशम के अपशेष के लिए  
निर्यात नीति।

मिसिल सं० 2/19/83-ई० I—1983-84 की आयात-  
निर्यात नीति (वा० II) के पृष्ठ 22 पर कालम 3 में  
क्रम सं० 62 (iii) (ग) (i) और 62 (iii) (ग) (iv) के सामने  
निर्दिष्ट माफ किए हुए और विनिर्यासित रेशम अपशेष सहित  
शहतूत के रेशम के अपशेष की निर्यात नीति की ओर ध्यान  
दिनाया जाता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकारी स्पन  
सिल्क मिलों को निर्यातको द्वारा दिया जाने वाला "रेशम  
अपशेष" उत्तम कुटीर बेसिन अपशेष अर्थात् केवल शहतूत  
कुटीर वेगिन घरेलू चरमी के अपशेष में संबंधित है और  
इसमें चरखे का अपशेष अर्थात् लम्बा चरखा दोकड़ी  
एक कड़ी/उबला हुआ ककून/किलमसी काकून/बेसिन रीफ्यूज  
आदि शामिल नहीं होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि

यदि क्रम सं० 62 (iii) (ग) (iv) के सामने निर्दिष्ट एक  
वर्ष की हकदारी लाइसेंस वर्ष की समाप्ति से आगे जब  
संभरण किया जाए तब तक बढ़ाई जाती है तो निर्यातक को  
यह हक होगा कि वह अगली लाइसेंस अवधि के दौरान  
भी उसी अनुपात में रेशम के अपशेष का निर्यात कर सके जो  
अनुपात उस वर्ष के दौरान लागू था जिसमें रेशम की मिलों  
को संभरण किया गया था बशर्ते कि ठका वही हो और माल  
परिप्रेषण के पोतलदान के लिए प्रतीक्षा की जा रही हो।  
तदनुसार शहतूत के रेशम के अपशेष के सम्बन्ध में नीति-  
विवरण की क्रम संख्या 62 (iii) (ग) के सामने के कालम  
3 में क्रम संख्या (i) और (iv) पर की वर्तमान लाइसेंस  
नीति के स्थान पर निम्नलिखित स्थान पर को प्रतिस्थापित  
किया जाएगा --

- (i) संसाधित रेशम अपशेष का छोड़कर चर्खा अपशेष  
से भिन्न शहतूत के रेशम के अपशेष के सम्बन्ध में  
1:5 अर्थात् किसी भी सरकारी रेशम के मिल को  
5 कि० ग्राम रेशम अपशेष अर्थात् शहतूत कुटीर  
बेसिन/घरेलू चर्खा अपशेष के संभरण के मद्दे  
संभरण को संसाधित रेशम अपशेष से भिन्न

1 कि० ग्रा० रेशम अपशेष का निर्यात करने का हक होगा।”

- (iv) रेशम अपशेष के निर्यातक अपने कोटों का उपयोग उसे प्राप्त करने के एक वर्ष के भीतर श्रृंखला पद्धति के अन्तर्गत अर्थात् सरकारी स्पन सिल्क मिलों द्वारा प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि से एक वर्ष के भीतर करेंगे यदि ऐसी हकदारी की वैधता लाइसेंस वर्ष की समाप्ति से आगे बढ़ती है तो निर्यातक अगली लाइसेंस अवधि के दौरान भी रेशम अपशेष का निर्यात उसी अनुपात में करने का हकदार होगा जो अनुपात रेशम के मिलों को सम्भरण के समय लागू था बशर्त कि ठेका वही हो और माल परिवहन के लिए लदान की प्रतीक्षा की जा रही हो।”

पी० सी० जैन

मयुक्त नियंत्रण आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE  
EXPORT TRADE CONTROL  
PUBLIC NOTICE NO. 32-ETC(PN)/83

New Delhi, the 25th July, 1983

SUBJECT : Export Policy for Silk waste for the Year 1983-84.

File No. 2/19/83-EL.—Attention is invited to the Export Policy of Mulberry Silk waste including cleaned and degummed silk waste indicated against Sl. No. 62(iii) (c) (i) and 62 (iii) (c) (iv) in Col. 3 at page 22 of Volume-II of Import and Export Policy 1983-84. It is clarified that the “Silk waste” to be supplied by the exporter to the Government Spun Silk Mills relates to superior Cottage basin waste viz., Mulberry Cottage Basin|Domestic Filature Waste only and shall not include Charkha Waste-

either Long Charkha|Do-Kadi|Ek-Kadi|Boiled Cocoon|Flimsy Cocoon Basin refuse etc. It is also clarified that if the one year entitlement indicated at S. No. 62 (iii) (c) (iv) extends beyond the expiry of the licensing year, when the supply was made, the exporter shall be entitled to export Silk waste even during the next licensing period at the same ratio which was applicable during the year when supply was made to the Silk mills provided the contract is the same, and consignment is awaiting shipment. According to the existing licensing policy at Sl. No. (i) and (iv) indicated in Column 3 against Sl. No. 62(iii) (c) of the Policy Statement in respect of Mulberry Silk waste shall be substituted by the following :—

“(i) 1:5 in respect of Mulberry Silk Waste, other than Charkha waste, excluding processed silk waste i.e. against the supply of 5 Kg. of silk waste viz., Mulberry Cottage basin|domestic filature waste to any of the Government Silk Mills, the supplier will be entitled to export 1 kg. of silk waste other than processed silk waste.”

“(iv) The exporters of Silk waste shall utilise their export quota within one year of their earning the same under the linking system i.e. within a year from the date of issue of certificates by the Government Spun Silk Mills. If the validity of such entitlement extends beyond the expiry of licensing year, the exporter shall be entitled to export silk waste even during the next licensing period at the same ratio which was applicable during the year when supply was made to the Silk Mills provided the contract is the same and consignment is awaiting shipment.”

P. C. JAIN, Chief Controller,  
Imports and Exports